आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरुवार 10.04.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की उप–योजना के रूप में कमांड एरिया डेवलपमेंट और जल प्रबंधन के आधुनिकीकरण को स्वीकृति दी।
- उत्तराखंड में पहली बार माध्यमिक शिक्षा विभाग के तहत 366 एलटी संवर्ग के शिक्षकों का अंतरमंडलीय स्थानांतरण दिया गया।
- राज्य में पूर्व सैनिक वीरांगनाओं और उनकी पुत्रियों को ड्रोन दीदी योजना के तहत प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में कल शाम बारिश और ओलावृष्टि से कृषि और बागवानी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

स्वीकृति

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की उप–योजना के रूप में कमांड एरिया डेवलपमेंट और जल प्रबंधन के आधुनिकीकरण को स्वीकृति दे दी है। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इसमें 78 परियोजनाओं में 80 हजार किसानों को शामिल किया जाएगा।

अंतरमंडलीय स्थानांतरण

राज्य में माध्यमिक शिक्षा विभाग ने 366 एलटी संवर्ग के शिक्षकों का अंतरमंडलीय स्थानांतरण कर दिया है। यह पहली बार है जब विभाग के अंतर्गत सहायक अध्यापक एलटी को मंडल परिवर्तन का लाभ मिला है। इस निर्णय पर शिक्षक संगठनों और शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

प्रदेश के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि एलटी शिक्षकों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा कर शिक्षकों का मण्डल स्थानांतरण किया गया है। उन्होंने सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि वे अपने नवीन कार्यक्षेत्र में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, कुमाऊं मण्डल के 201 और गढ़वाल मंडल के 165 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का स्थानांतरण किया गया है। इन सभी शिक्षकों को 15 दिन के भीतर अपने वर्तमान विद्यालय से कार्यमुक्त होकर नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना होगा। स्थानांतरण के बाद शिक्षक नवीन मण्डल में कनिष्ठतम माने जाएंगे।

भूमि पूजन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऊधमसिंह नगर में खटीमा के कंजाबाग तिराहे पर 213 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना के लिए भूमि पूजन किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, अखंडता और शौर्य का प्रतीक है, जो हर नागरिक में देशभक्ति की भावना को जागृत करता है। उन्होंने कहा कि यह ध्वज आने वाले समय में खटीमा का एक प्रमुख आकर्षण और पर्यटकों के लिए विशेष केंद्र बनेगा।

निर्देश

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश ने चारधाम यात्रा के लिये सभी व्यवस्थांए पच्चीस अप्रैल तक पूरा करने के निर्देश दिये हैं। डॉ. कुमार इन दिनों बदरीनाथ यात्रा मार्ग की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने चमोली कलक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

स्वास्थ्य सचिव ने नंदप्रयाग, कमेड़ा और पागलनाला में अगले 15 से 20 दिनों के भीतर प्रोटेक्शन वर्क और डामरीकरण कार्य पूरे करने को कहा। साथ ही जोगीधारा में सड़क किनारे मौजूद बड़े पत्थरों को एक सप्ताह में हटाने और हाथीपहाड़ के पास गैबियन वॉल का निर्माण जून तक पूरा करने के निर्देश भी दिए।

घोषणा

राज्य में पूर्व सैनिक वीरांगनाओं और उनकी पुत्रियों को ड्रोन दीदी योजना के तहत प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा में अपने स्वर्गीय पिताजी सूबेदार शेर सिंह धामी की पांचवीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में यह घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि देहरादून के गुनियाल गांव में सैन्य धाम की तर्ज पर टनकपुर, बनबसा और खटीमा क्षेत्र में भी भूमि उपलब्धता के अनुसार सैन्य धाम जैसा एक स्मारक स्थापित किया जाएगा। इसके लिए सैनिक कल्याण मंत्री को निर्देश दिए गए हैं।

मौसम–1

प्रदेश में कल शाम मौसम ने अचानक करवट ली, जिससे राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश, ओलावृष्टि और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी देखने को मिली। इस बदले मौसम का असर जनजीवन के साथ–साथ कृषि पर भी पड़ा है। कई जिलों से फसलों के नुकसान और सड़क मार्गों के अवरुद्ध होने की खबरें हैं।

बदरीनाथ और केदारनाथ धाम की ऊंची पहाड़ियों पर ताजा बर्फबारी हुई, वहीं हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी और रुद्रनाथ जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी बर्फबारी दर्ज की गई। चमोली जिले में आंधी–तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई, जिससे गदेरे उफान पर आ गए और कई घरों में पानी घुस गया। ओलावृष्टि से माल्टा, आड़ू, सरसों और सब्जियों की फसलों को नुकसान पहुंचा है।

थराली बाजार में बरसाती गदेरे के उफान पर आने से दस से अधिक वाहन मलबे में दब गए और छह से ज्यादा दुकानों में पानी और मलबा भर गया। देवाल मोटर मार्ग पर मलबा आने से आवाजाही बाधित हो गई। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि बारिश से किसी प्रकार की जनहानि नही हुई है।

मौसम–2

उधर, उत्तरकाशी जिले में दोपहर बाद बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे टकनौर और यमुना घाटी में सेब, आड़ू, खुमानी, पुलम, मटर, बींस और टमाटर जैसी नगदी फसलों को भारी नुकसान हुआ है। मनेरी बांध के पास अतिवृष्टि से गंगोत्री राजमार्ग पर भारी मलबा आ गया और मार्ग करीब एक घंटे तक बंद रहा, जिसे बाद में बीआरओ की मदद से मार्ग को खोल दिया गया।

कुमाऊं मंडल में नैनीताल और आसपास के क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई और बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। बागेश्वर जिले में भी ऊपरी इलाकों में बारिश और निचले इलाकों में बूंदाबांदी दर्ज की गई। कपकोट विकासखंड के ढोक्टी गांव में भारी ओलावृष्टि से खेतों और सब्जियों को नुकसान हुआ है। कई कच्चे मकानों की छतों को भी नुकसान पहुंचा है।

वहीं, नई टिहरी सहित टिहरी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दोपहर बाद बारिश हुई। भिलंगना और जाखणीधार ब्लॉकों में ओलावृष्टि से गेहूं, मसूर और फलों की फसलें प्रभावित हुई हैं। कई क्षेत्रों में हल्की बारिश के चलते जंगलों में लगी आग पर भी काबू पाया गया है।

चिंतन शिविर

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा देहरादून में आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर ने केंद्र और राज्यों के बीच संवाद के नए आयाम स्थापित किए। शिविर में 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें 19 राज्यों के विभागीय मंत्री भी शामिल रहे। सहभागिता, सुझाव और सहयोग की दृष्टि से यह शिविर अत्यंत सफल और प्रभावशाली रहा।

अब तक दिल्ली और आगरा जैसे शहरों में आयोजित चिंतन शिविरों की तुलना में देहरादून का आयोजन कई मायनों में विशेष रहा। जहां पिछले वर्ष आगरा में केवल 8 राज्यों के मंत्री पहुंचे थे, वहीं इस बार 19 राज्यों के मंत्री देहरादून पहुंचे, जो केंद्र सरकार की पहल के प्रति राज्यों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

उत्तराखंड की ओर से प्रस्तुत 12–पृष्ठीय नशामुक्ति अभियान कैलेंडर भी चर्चा का विषय बना। इसमें विशेष रूप से अल्मोड़ा समेत राज्य भर में चलाए गए अभियानों का चित्रात्मक विवरण दिया गया, जिसे केंद्रीय मंत्रियों ने सराहा।

काष्ठ उद्योग

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा है कि उत्तराखंड में वियतनाम की तर्ज पर काष्ठ उद्योग को रोजगार के एक बड़े संसाधन के रूप में विकसित किया जाएगा। वियतनाम और कंबोडिया दौरे से लौटे वन मंत्री ने बताया कि इन देशों ने काष्ठ आधारित उद्योगों को सशक्त बनाकर बड़े पैमाने पर फर्नीचर और लकड़ी के अन्य उत्पादों का निर्यात शुरू किया है, जिससे वहां स्थानीय लोगों को व्यापक स्तर पर रोजगार मिला है। वन मंत्री ने बताया कि प्रदेश में काष्ठ पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सटीक योजना तैयार की जाएगी। इस संबंध में वन विकास निगम के अधिकारियों निर्देश भी जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमण्डल के अनुभवों के आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र तैयार की जाएगी, जिसमें वन व वन आधारित उद्योगों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार सृजन, प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहरों के प्रबंधन, वन व वन्य जीव संरक्षण के साथ ईको पर्यटन प्रबंधन जैसे विषयों पर नई दिशा से कार्य किया जाएगा।

एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर....

खटीमा में आयोजित सैनिक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री धामी का बड़ा ऐलान... हिन्दुस्तान समाचार पत्र लिखता है कि उत्तराखंड में परमवीर चक्र विजेता को मिलेंगे डेढ़ करोड़ रुपये....

उत्तराखंड मं आपदा के दौरान मददगार साबित होंगे सामुदायिक रेडियो केंद्र...इस शीर्षक के साथ दैनिक जागरण लिखता है कि आपदा के समय इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क ठप होने की स्थिति में सूचनाओं के आदान प्रदान में सामुदायिक रेडियो केंद्र होंगे सहायक...

राजभवन में जन मिलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन... इस खबर के शीर्षक में अमर उजाला लिखता है कि– राज्यपाल ने पेंशन और जमीन संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई के दिए निर्देश.....

आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा दो मई से होगी शुरू.. दैनिक जागरण इस शीर्षक के साथ लिखता है कि 30 अप्रैल से यात्रियों को धारचूला से इनर लाइन परमिट जारी करेगा प्रशासन...

और उत्तराखंड में उमस भरी गर्मी से लोगों मिली राहत... हिन्दुस्तान समाचार पत्र लिखता है कि दिन में उमस से आफत, शाम को बारिश से राहत.. कई जगहों पर हुई ओलावृष्टि...